

Written by कुमार सौवीर  
Friday, 23 March 2018 08:07

: 0000 00 00000-0000 0000 00, 0000 00 0000 0000000 00000-0000 0000000,  
000000-0000000 0000000000 : 00 00 **43** 000000 0000 000000 00000000 000 00000 00  
0000 : 000-000 00 0000 00 00 0000 000000 0000 0000 000000000 00  
00000 00000 00 00000 00 : 00000 00 00000 00 000000000 -00 :



00000 00000



0000 : बहरहाल, तय किया था कर्पत्रकरता में मैंने अपने 38 बरस खपाये हैं। मेरा पहला लेख दैनिकिस् वतंत्र भारत में प्रकशति हुआ था अक् टूबर-1980 में। नवम्बर-80 से दैनिकिअमृतप्रभात, दैनिकिनवजीवन के साथ ही साथ अमर उजाला और जनसत्ता तथा दनिमान वगैरह में भी मैं नियमति रूप से छपने लगा था। और उसके बाद 2 जून-82 से साप्ताहिकसहारा में प्रूफ-रीडर के तौर पर नियमति नौकरी शुरू कर दी। आज पूरे दौरान आधा वक्ता तो नौकरी में खपा, जबकि बाकी आधा वक्ता बेरोजगारी में जीवन के समझने-देखने में लग रहा है। यानी मुझे दोनों ही अनुभव है, रोजगार में कठोर परिश्रम जनति अनुभव और कठोर बेरोजगारी जनति दुर्धष साहस। तो संक्त्त प ले लिया कि अब नौकरी के बजाय उस क्षेत्र में पूरा जीवन अर्पति कर दूंगा, जिसने मुझे इंसान बनाने की केशशि की। यानी पत्रकरता। पूरा जीवन अर्पति कर दूंगा। जहां क अन् न-रोटी खायी है, वहां की सेवा करूंगा। शब्द-सेवा करूंगा, वाक्त्त-संयोजन संवांरूंगा। नःशुल्क। हां, सबसे मांगूंगा जरूर, मगर दक्ष्णिण-दान या भक्त्ति के तौर पर। पारिश्रमिक के तौर पर हरगजि नहीं।

इसल। तो मैंने मेरी बटिया डॉट कॉम शुरू किया और उन खबरों पर काम किया, जो खबरों क धोखा होता है, गड़बड़-झाला। उन पर खुलासा करना शुरू किया, उनके हरक्त्तों के बेपरद करना शुरू कर दिया। खास तौर पर ऐसे पत्रकरों और समू पादकों के, जो खबर-समाचार जगत में क्लंक है और उसे लगातार क्लंकति करते ही रहते हैं। खबरों के दबाना, उसे मोड़ना-मरोड़ना, फर्जी खबर बुनना और उसे छापना, पत्रकरता से इतर आगे कीचड़ में घुसना, ठेक-दलाली हासलि करना। ऐसे पत्रकर तो ऐसे भी हैं जो उगाही और रंगदारी तक उगाहते हैं, उन पर बेहचिकहमला करना शुरू कर या मैंने। मगर इसके साथ ही साथ उन पत्रकरों पर भी काम शुरू किया जो वाक्त्त पत्रकरता करते हैं, और समाचार-सेवा के तौर पर पत्रकरता के साथ ही साथ अपने जीवन के भी धन्य करने के अभियान में जुटे हैं। मैंने ऐसे भी और वैसे भी लोगों के चनिहति करना शुरू किया।

